|  |  |  |
| --- | --- | --- |
| 18. Juni 2023 | | |
| **11. Sonntag im Jahreskreis A** | | |
| Erste Lesung: Ex 19,2-6a; Zweite Lesung: Röm 5,6-11; Evangelium: Mt 9,36-10,8 | | |
|  |  |  |
| Eröffnung: | GL 546, 1-4 | Christus, du Licht vom wahren Licht |
|  | GL 713, 1-3 | Du hast uns, Herr, gerufen |
|  | GL 481, 1+5+6 | Sonne der Gerechtigkeit |
|  |  |  |
| Kyrie: | GL 163, 7 | Herr Jesus, du rufst die Menschen |
|  | GL 161 | Du rufst uns, Herr |
|  |  |  |
| Gloria: | GL 168, 1+2 | Gloria |
|  |  |  |
| Antwortgesang: | Ps 100, 1-5 | |
|  | Kehrvers: |  |
|  | GL 56, 1 | Freut euch, wir sind Gottes Volk |
|  | oder (Psalmen)-lied: |  |
|  | GL 144, 1+2+5+6 | Nun jauchzt dem Herren |
|  | GL 392, 1.2!+3 | Lobe den Herren |
|  |  | |
| Halleluja-Ruf: | Ruf: GL 174, 4 |  |
|  | Vers: |  |
|  | *Das Reich Gottes ist nahe.* | |
|  | *Kehrt um, und glaubt an das Evangelium!* | |
|  |  |  |
| Credo: | GL 792, 1-3 | Ich glaube, Herr, mit Zuversicht |
|  |  |  |
| Gabenbereitung: | GL 477, 1+2 | Gott ruft sein Volk zusammen |
|  | GL 275, 1+3+4 | Selig, wem Christus |
|  |  |  |
| Sanctus: | GL 198 | Heilig |
|  |  |  |
| Friedensgruß/ | GL 800 | Herr, gib uns deinen Frieden |
| Agnus Dei: | GL 206 | Lamm Gottes |
|  |  |  |
| Danksagung: | GL 485, 1-3 | O Jesu Christe, wahres Licht |
|  |  |  |
| Schluss: | GL 455, 1+3 | Alles meinem Gott zu loben |
|  | GL 489, 1-3 | Lass uns loben |